dainikbhaskar.com

टच करते ही सामने होंगे 47 सालों के आंकड़े

देख सकेंगे प्रदेश के हर जिले के आंकड़े, आज होगा देश का पहला एचआईएसएस साफ्टवेयर शुरू

भास्कर न्यूज | कुरुक्षेत्र

प्रदेश के विभिन्न जिलों के आंकड़े देखने के लिए अब मोटी किताबें नहीं खंगाली होंगी। महज एक टच से स्क्रीन पर 47 सालों के आंकड़े आपके सामने होंगे। देश के पहले हरियाणा इंटिग्रेटेड सिस्टम आफ स्टेटिस्टक (एचआईएसएस) से प्रदेश के हर विभाग, जिले के आंकड़े देख सकेंगे। 1966 से लेकर 2013 के तमाम आंकड़े सामने होंगे। स्टेटिस्टकल अब्स्ट्रैक्ट हरियाणा, सेंसेज आफ हरियाणा, इकनोमिक सेंसेज, पोपुलेशन सेंसेज व डिस्ट्रिक्ट गजट के तमाम आंकड़े इस साफ्टवेयर से देखे जा सकेंगे। इस साफ्टवेयर का विधिवत उद्घाटन डीसी सीजी रजनीकांतन बुधवार को लघु सचिवालय में सांख्यिकीय विभाग में सुबह 11 बजे करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डीईएसए हरियाणा के निदेशक आरके बिश्नोई करेंगे। जिला सांख्यिकीय अधिकारी लक्की अरोड़ा ने बताया कि निर्देशानुसार हरियाणा इंटिग्रेटेड सिस्टम आफ स्टेटिस्टकस साफ्टवेयर देश का यह पहला ऐसा साफ्टवेयर है, जिसके माध्यम से टच स्क्रीन मशीन से 1966 से लेकर 2013 तक के आंकड़ों को देखा जा सकेगा।

तीन महीनों में हुआ तैयार

इससे लोग अपनी ई मेल पर भी भेज सकेंगे। एनआईसी विभाग के अधिकारी विनोद सिंगला की अगुवाई में लगातार तीन माह की मेहनत के बाद इस साफ्टवेयर के डाटा को तैयार किया गया। लोगों को सांख्यिकी विभाग से अलग अलग सालों की किताब लेकर आंकड़े ढूंढने नहीं पड़ेंगे। टच स्क्रीन पर जाकर संबंधित टापिक फीड करने के साथ ही सारा डाटा सामने होगा। इस साफ्टवेयर में ना केवल कुरुक्षेत्र, बल्कि प्रदेश के हर जिलों से संबंधित आंकड़े शामिल किए हैं।

The Tribune
CHANDIGARH | THURSDAY
29 JANUARY 2015

Govt data of 48 yrs a click away in K'shetra

NITISH SHARMA
TRIBUNE NEWS SERVICE

KURUKSHETRA, JANUARY 28

Kurukshetra residents now have access to data of every district and department from 1966 to FY 2012-13 through a software prepared by the district Statistical Department and the NIC Department.

Inaugurating the Haryana Integrated System of Statistics (HISS), Kurukshetra Deputy Commissioner CG Rajinikaanthan said, "Data related to 61 departments of every district, government officers and finance and census of 48 years has been compiled and uploaded through the country's first software of its kind."

The software can be accessed at a touch screen kiosk on the premises of the district Statistical Department at the Mini Secretariat. "One can get all information by just feeding the required topic in seconds. Besides data of the districts, data related to the country has also been uploaded," the Deputy Commissionersaid.

RK Bishnoi, director, Department of Economic and Statistical Analysis, said, "The state's data from 1966 to FY 2012-13 has been made available. Nearly 50,000 pages of 48 volumes have been uploaded."

NIC official Vinod Singla said it took three months to compile and upload the data.

"Anyone can get accurate data with graphs and tables by just touching the screen. There is no need to turn the pages of record books anymore," he said.

He said desired data could also be emailed. "The service has been launched and we will keep updating it and more facilities will be given with the passage of time."

दैनिक भास्कर
गुरुवार 29 जनवरी, 2015

हाइटेक शहर

देश का पहला एचआईएसएस साफ्टवेयर लगा कुरुक्षेत्र में, डीसी रजनीकांतन ने किया शुभारंभ

प्रदेश के आंकड़ों के 50 हजार पन्ने अब स्क्रीन पर

भास्कर न्यूज़|कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र के बाशिंदे अब पूरे प्रदेश के सभी जिलों के 47 सालों का लेखा जोखा टच स्क्रीन पर देख सकेंगे। बुधवार को देश के पहले हरियाणा इंटिग्रेटेड सिस्टम ऑफ स्टेटिस्टिक (एचआईएसएस) साफ्टवेयर सांख्यिकीय विभाग कार्यालय परिसर में स्थापित किया गया। डीसी सीजी रजनीकांतन ने इसका शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि लोगों को अब सांख्यिकीय विभाग के कार्यालय में आकर किताबों के पन्नों को पलटने की जरूरत नहीं होगी। इस साफ्टवेयर का लाभ, जहां विभागीय अधिकारी उठा सकेंगे, वहीं शोधकर्ताओं को भी मिलेगा।

कुरुक्षेत्र| एचआईएसएस साफ्टवेयर का उद्घाटन करते डीसी सीजी रजिनिकांतन।

हरियाणा प्रदेश में कुरुक्षेत्र जिला ही ऐसा जिला है, जहां इस साफ्टवेयर को लांच किया गया है।

अतीत के आंकड़े भविष्य की नींव

इस साफ्टवेयर के जरिए अब आंकड़ों को सहजता से देखा जा सकेगा। पुस्तकों के पन्नों को पलटे बिना ही आंकड़ों को सहजता से स्क्रीन पर देखकर अपने मोबाइल या ईमेल पर भी भेजा जा सकेगा। किसी भी विभाग के आंकड़ों के साथ-साथ ग्राफिक्स को भी देखा जा सकता है। विभाग के डीईएसए के निदेशक आरके बिश्नोई ने कहा कि महज टच स्क्रीन पर उंगली का इशारा करते ही 1966 से लेकर वित्त वर्ष 2012-13 के तमाम आंकड़े सामने होंगे। सांख्यिकीय विभाग ने इस साफ्टवेयर पर स्पष्ट अंकित किया है कि अतीत के आंकड़े भविष्य की नींव। इस मौके पर जिला सांख्यिकीय अधिकारी लक्की अरोड़ा, अतिरिक्त निदेशक जगबीर दलाल, डीआईओ विनोद सिंगला, एनआईसी विभाग के अधिकारी कमल त्यागी, पीओ आईसीडीएस गुरविंद्र कौर मल्ली, डीएसडब्ल्यू सुरजीत कौर, एनआईसी विभाग से सुभाष गुप्ता आदि मौजूद थे।

अमर उजाला
वीरवार 29 जनवरी 2015

तकनीक

लघु सचिवालय में मिलेगी नई सॉफ्टवेयर सुविधा

टच करते ही मिलेंगे 48 साल के आंकड़े

अमर उजाला ब्यूरो

कुरुक्षेत्र। उपायुक्त सीजी रजनीकांतन ने कहा कि प्रदेश के हर जिले के करीब 61 विभागों के अलावा हरियाणा के आर्थिक, जनसंख्या, और सरकारी महकमों के अधिकारियों के पिछले 48 सालों के आंकड़े अब स्क्रीन टच कर देखा जा सकता है। इसके लिए हरियाणा इंटीग्रेटेड सिस्टम आफ स्टेटिस्टक (एचआईएसएस) साफ्टवेयर को सांख्यिकीय विभाग कार्यालय परिसर में स्थापित कर दिया गया है। इसलिए अब सांख्यिकीय विभाग के कार्यालय में आकर किताबों के पन्नों को पलटने की जरूरत नहीं होगी। इस साफ्टवेयर का लाभ तमाम विभागीय अधिकारी, विश्वविद्यालय के साथ-साथ शोधकर्ताओं को भी मिलेगा। उपायुक्त ने ये जानकारी लघु सचिवालय स्थित सांख्यिकीय विभाग के परिसर में एचआईएसएस साफ्टवेयर का उद्घाटन करने के बाद अधिकारियों को संबोधित करते हुए दी। उपायुक्त ने कहा कि प्रदेश में कुरुक्षेत्र ही ऐसा जिला है जहां इस साफ्टवेयर को लांच किया गया है। इस साफ्टवेयर के जरिए अब आंकड़ों को सहजता से देखा जा सकेगा। पुस्तकों के पन्नों को पलटे बिना ही आंकड़ों को सहजता से स्क्रीन पर देखकर अपने मोबाइल या ईमेल पर भी भेजा जा सकेगा। इस साफ्टवेयर से किसी भी विभाग के आंकड़ों के साथ-साथ ग्राफिक्स को भी देखा जा सकता है। इस साफ्टवेयर का सभी विभागों को फायदा होगा। इसलिए सभी विभाग इस साफ्टवेयर का प्रयोग करें। विभाग के डीईएसए के निदेशक आरके बिश्नोई ने कहा कि महज टच स्क्रीन पर उंगली का इशारा करते ही 1966 से लेकर वित्त वर्ष 2012-13 के तमाम आंकड़े सामने होंगे। सांख्यिकीय विभाग ने इस साफ्टवेयर पर स्पष्ट अंकित किया है कि अतीत के आंकड़े भविष्य की नींव। जी हां, अब स्टेटिस्टकल अब्स्ट्रैक्ट हरियाणा, सेंसेज आफ हरियाणा, इकनामिक सेंसेज, पापुलेशन सेंसेज व डिस्ट्रिक्ट गजट के तमाम आंकड़े सहजता से देखे जा सकेंगे। जिला सांख्यिकीय अधिकारी लक्की अरोड़ा ने बताया कि हरियाणा इंटीग्रेटेड सिस्टम आफ स्टेटिसटकस (एचआईएसएस) यानि अतीत के आंकड़े भविष्य की नींव नए साफ्टवेयर का इजाद किया गया है।

देश का यह पहला साफ्टवेयर है, जिसके माध्यम से सांख्यिकीय विभाग कार्यालय के बाहर स्थापित की जाने वाली टच स्क्रीन मशीन से 1966 से लेकर 2013 तक के आंकड़ों को देखा जा सकेगा। इस मौके पर डीईएसए विभाग के अतिरिक्त निदेशक जगबीर दलाल, डीआईओ विनोद सिंगला, एनआईसी विभाग के अधिकारी कमल त्यागी, पीओ आईसीडीएस गुरविंद्र कौर मल्ली, डीएसडब्ल्यू सुरजीत कौर, एनआईसी विभाग से सुभाष गुप्ता सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

प्रशासन ने सांख्यिकीय व एनआईसी विभाग के सांझे प्रयासों से तैयार किया नया साफ्टवेयर

48 वॉल्यूम के 50 हजार पन्नों को क्लिक करते ही देखा जा सकेगा स्क्रीन पर

एचआईएसएस सॉफ्टवेयर का उद्घाटन करते डीसी सीजी रजनीकांतन।

बृहस्पतिवार, 29 जनवरी, 2015

दैनिक ट्रिब्यून,

स्क्रीन टच करो और देखो ऐतिहासिक आंकड़े

उपायुक्त ने किया देश के पहले एचआईएसएस सॉफ्टवेयर का उद्घाटन

कुरुक्षेत्र, 28 जनवरी (हप्र)

हरियाणा प्रदेश के आर्थिक, जनसंख्या, हर जिले के करीब 61 विभागों और हरियाणा प्रदेश के सरकारी महकमों के अधिकारियों के पिछले 48 सालों के तमाम आंकड़े अब मात्र स्क्रीन को टच करते ही देखना संभव है। इसके लिए देश के पहले हरियाणा इंटिग्रेटेड सिस्टम आफ स्टेटिस्टक (एचआईएसएस) सॉफ्टवेयर को सांख्यिकीय विभाग कार्यालय परिसर में स्थापित कर दिया गया है। एचआईएसएस सॉफ्टवेयर का उद्घाटन आज उपायुक्त सीजी रजनिकांतन ने किया। हरियाणा प्रदेश में कुरुक्षेत्र ही ऐसा जिला है, जहां इस सॉफ्टवेयर को लांच किया गया है। सॉफ्टवेयर का नाम 'अतीत के आंकड़े भविष्य की नींव' रखा गया है।

कुरुक्षेत्र के उपायुक्त सीजी रजनीकांतन बुधवार को 'अतीत के आंकड़े भविष्य की नींव' सॉफ्टवेयर का उद्घाटन करते हुए। -हप्र

साफ्टवेयर के उद्घाटन के बाद अब लोगों को सांख्यिकीय विभाग के कार्यालय में आकर किताबों के पन्नों पलटने की जरूरत नहीं होगी। सॉफ्टवेयर का लाभ विभागीय अधिकारियों तथा विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं को भी मिलेगा। उपायुक्त ने कहा कि इस साफ्टवेयर के जरिए अब पूरे प्रदेश के जिलों के विभिन्न आंकड़ों को सहजता से देखा जा सकेगा। आंकड़ों को सहजता से स्क्रीन पर देखकर अपने मोबाइल या ईमेल पर भी भेजा जा सकेगा। इस सॉफ्टवेयर से किसी भी विभाग के आंकड़ों के साथ-साथ ग्राफिक्स भी देखे जा सकेंगे।

विभाग के डीईएसए के निदेशक आरके बिश्नोई ने बताया कि महज टच स्क्रीन पर 1966 से लेकर वित्त वर्ष 2012-13 के तमाम आंकड़े सामने होंगे। जिला सांख्यिकीय अधिकारी लक्की अरोड़ा ने बताया कि एनआईसी विभाग के अधिकारी विनोद सिंगला के 3 माह के प्रयासों से इस सॉफ्टवेयर को तैयार किया गया है। इस मौके पर डीईएसए विभाग के अतिरिक्त निदेशक जगबीर दलाल, डीआईओ विनोद सिंगला, एनआईसी विभाग के अधिकारी कमल त्यागी, पीओ आईसीडीएस गुरविंद्र कौर मल्ली, डीएसडब्ल्यू सुरजीत कौर, एनआईसी विभाग से सुभाष गुप्ता सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

पंजाब केसरी

THURSDAY • 29.1.2015

टच करते ही नजर आएंगे 48 सालों के ऐतिहासिक आंकड़े

देश के पहले एच.आई.एस.एस. सॉफ्टवेयर का उद्घाटन

कुरुक्षेत्र, 28 जनवरी (धमीजा): प्रदेश के आर्थिक, जनसंख्या, हर जिले के करीब 61 विभागों और प्रदेश के सरकारी महकमों के अधिकारियों के पिछले 48 सालों के तमाम आंकड़े अब मात्र स्क्रीन को टच करते ही देखने संभव हैं। इसके लिए देश के पहले हरियाणा इंटीग्रेटेड सिस्टम ऑफ स्टैटिस्टक (एच.आई.एस.एस.) सॉफ्टवेयर को सांख्यिकीय विभाग कार्यालय परिसर में स्थापित कर दिया गया है। लोगों को अब सांख्यिकीय विभाग के कार्यालय में आकर किताबों के पन्नों को पलटने की जरूरत नहीं होगी। इस सॉफ्टवेयर का लाभ तमाम विभागीय अधिकारी, विश्वविद्यालय के साथ-साथ शोधकर्त्ताओं को भी मिलेगा।

एच.आई.एस.एस. सॉफ्टवेयर का अवलोकन करते उपायुक्त रजनीकांथन व अन्य अधिकारी। (भूरे)

उपायुक्त सी.जी. रजनीकांथन आज लघु सचिवालय में सांख्यिकीय विभाग के परिसर में एच.आई.एस.एस. सॉफ्टवेयर का उद्घाटन करते हुए सम्बोधित कर रहे थे। उपायुक्त ने सांख्यिकीय विभाग और एन.आई.सी. विभागों के अधिकारियों को कहा कि प्रदेश में कुरुक्षेत्र ही ऐसा जिला है, जहां इस सॉफ्टवेयर को लांच किया गया है।

इस सॉफ्टवेयर से किसी भी विभाग के आंकड़ों के साथ-साथ ग्राफिक्स को भी देखा जा सकता है। इस मौके पर डी.ई.एस.ए. विभाग के अतिरिक्त निदेशक जगबीर दलाल, डी.आई.ओ. विनोद सिंगला, एन.आई.सी. विभाग के अधिकारी कमल त्यागी, पी.ओ. आई.सी.डी.एस. गुरविंद्र कौर मल्ली, डी.एस.डब्ल्यू. सुरजीत कौर, एन.आई.सी. विभाग से सुभाष गुप्ता सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

दैनिक जागरण

29 जनवरी 2015

एक टच में 48 साल के आंकड़े होंगे सामने

जागरण संवाददाता, कुरुक्षेत्र : उपायुक्त सीजी रजिनिकांतन ने कहा कि प्रदेश की जनसंख्या, हर जिले के करीब 61 विभागों और हरियाणा प्रदेश के सरकारी महकमों के अधिकारियों के पिछले 48 साल के तमाम आंकड़े अब मात्र स्क्रीन को टच करते ही देखना संभव है। इसके लिए देश के पहले हरियाणा इंटिग्रेटेड सिस्टम ऑफ स्टेटिस्टक (एचआईएसएस) साफ्टवेयर को सांख्यिकीय विभाग कार्यालय परिसर में स्थापित कर दिया गया है। उपायुक्त सीजी रजिनिकांतन लघु सचिवालय में सांख्यिकीय विभाग के परिसर में एचआईएसएस सॉफ्टवेयर का उद्घाटन करने के उपरांत अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे।

उपायुक्त ने सांख्यिकीय विभाग और एनआईसी विभागों के अधिकारियों को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश में कुरुक्षेत्र जिला ही ऐसा जिला है, जहां इस साफ्टवेयर को लांच किया गया है। इस साफ्टवेयर के जरिए अब आंकड़ों को सहजता से देखा जा सकेगा। पुस्तकों के पन्नों को पलटे बिना ही आंकड़ों को सहजता से स्क्रीन पर देखकर अपने मोबाइल या ईमेल पर भी भेजा जा सकेगा।

एचआइएसएस सॉफ्टवेयर का उद्घाटन करते उपायुक्त। जागरण

इस साफ्टवेयर से किसी भी विभाग के आंकड़ों के साथ-साथ ग्राफिक्स को भी देखा जा सकता है। सांख्यिकीय विभाग के आंकड़ों का अत्याधिक महत्व है। इन आंकड़ों के आधार पर विधानसभा और कोई भी विभाग भविष्य की आर्थिक नीतियों का निर्धारण करता है। जब ये तमाम आंकड़े सरल तरीके से उपलब्ध होंगे तो नीतियों को निर्धारित करने में भी सहायता मिलेगी। इस साफ्टवेयर का सभी विभागों को फायदा होगा। इसलिए सभी विभाग इस साफ्टवेयर का प्रयोग करें।

विभाग के डीईएसए के निदेशक आरके बिश्नोई ने कहा कि किसी भी व्यक्ति को अब किताबों के पन्ने पलटने की जरुरत नहीं होगी। महज टच स्क्रीन पर उंगली का इशारा करते ही 1966 से लेकर वित्त वर्ष 2012-13 के तमाम आंकड़े सामने होंगे। सांख्यिकीय विभाग ने इस साफ्टवेयर पर स्पष्ट अंकित किया है कि अतीत के आंकड़े भविष्य की नींव। जी हां, अब स्टेटिस्टकल अब्स्ट्रैक्ट हरियाणा, सेंसेज आफ हरियाणा,

- उपायुक्त ने एचआइएसएस सॉफ्टवेयर का किया उद्घाटन

इकनोमिक सेंसेज़, पोपुलेशन सेंसेज व डिस्ट्रिक्ट गजट के तमाम आंकड़े सहजता से देखे जा सकेंगे।

जिला सांख्यिकीय अधिकारी लक्की अरोड़ा ने बताया कि उपायुक्त के दिशा-निर्देशानुसार हरियाणा इंटिग्रेटेड सिस्टम आफ स्टेटिस्टकस (एचआईएसएस) यानि अतीत के आंकड़े भविष्य की नींव नये साफ्टवेयर का इज़ाद किया गया है। उन्होंने माना कि देश का यह पहला ऐसा साफ्टवेयर है, जिसके माध्यम से सांख्यिकीय विभाग कार्यालय के बाहर स्थापित की जाने वाली टच स्क्रीन मशीन से 1966 से लेकर 2013 तक के आंकड़ों को देखा जा सकेगा। इस मौके पर डीईएसए विभाग I के अतिरिक्त निदेशक जगबीर दलाल, डीआईओ विनोद सिंगला, एनआईसी विभाग के अधिकारी कमल त्यागी, पीओ आईसीडीएस गुरविंद्र कौर मल्ली, डीएसडब्ल्यू सुरजीत कौर, एनआईसी विभाग से सुभाष गुप्ता सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

जग मार्ग कुरुक्षेत्र
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

वीरवार, 29 जनवरी, 2015

स्क्रीन टच करते ही दिखेंगे 48 साल के ऐतिहासिक आंकड़े

डीसी ने किया देश के पहले एचआईएसएस सॉफ्टवेयर का उद्घाटन

सांख्यिकीय व एनआईसी विभाग के साझे प्रयासों से तैयार किया सॉफ्टवेयर

कुरुक्षेत्र (जगमार्ग ब्यूरो) : डीसी सीजी रजिनीकांतन ने कहा कि हरियाणा प्रदेश के आर्थिक, जनसंख्या, हर जिले के करीब 61 विभागों और हरियाणा प्रदेश के सरकारी महकमों के अधिकारियों के पिछले 48 सालों के तमाम आंकड़े अब मात्र स्क्रीन को टच करते ही देखना संभव है। इसके लिए देश के पहले हरियाणा इंटिग्रेटेड सिस्टम ऑफ स्टेटिस्टक (एचआईएसएस) सॉफ्टवेयर को सांख्यिकीय विभाग कार्यालय परिसर में स्थापित कर दिया गया है। लोगों को अब सांख्यिकीय विभाग के कार्यालय में आकर किताबों के पन्नों को पलटने की जरुरत नहीं होगी। इस साफ्टवेयर का लाभ तमाम विभागीय अधिकारी, विश्वविद्यालय के साथ-साथ शोधकर्ताओं को भी मिलेगा।

डीसी लघु सचिवालय में सांख्यिकीय विभाग के परिसर में एचआईएसएस साफ्टवेयर का उद्घाटन करने के उपरांत अधिकारियों को सम्बोधित कर रहे थे। उपायुक्त ने सांख्यिकीय विभाग और एनआईसी विभागो के अधिकारियों को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि हरियाणा प्रदेश में कुरुक्षेत्र जिला ही ऐसा जिला है, जहां इस साफ्टवेयर को लांच किया गया है। इन आंकड़ों के आधार पर विधानसभा और कोई भी विभाग भविष्य की आर्थिक नीतियों का

एचआईएसएस सॉफ्टवेयर का उद्घाटन करते डीसी रजिनीकांतन।

निर्धारण करता है। महज टच स्क्रीन पर उंगली का इशारा करते ही 1966 से लेकर वित्त वर्ष 2012-13 के तमाम आंकड़े सामने होंगे। सांख्यिकीय विभाग ने इस साफ्टवेयर पर स्पष्ट अंकित किया है कि अतीत के आंकड़े भविष्य की नींव। जी हां, अब स्टेटिस्टकल अब्स्ट्रैक्ट हरियाणा, सेंसेज आफ हरियाणा, इकनोमिक सेंसेज, पोपुलेशन सेंसेज व डिस्ट्रिक्ट गजट के तमाम आंकड़े सहजता से देखे जा सकेंगे। जिला सांख्यिकीय अधिकारी लक्की अरोड़ा ने बताया कि उपायुक्त सीजी रजिनिकांतन के दिशा-निर्देशानुसार हरियाणा इंटिग्रेटेड सिस्टम आफ स्टेटिस्टकस (एचआईएसएस) यानि अतीत के आंकड़े भविष्य की नींव नये साफ्टवेयर का इज़ाद किया गया है। उन्होंने बताया कि एनआईसी विभाग के अधिकारी विनोद सिंगला के अथक प्रयासों से ही इस साफ्टवेयर को तैयार किया गया है। इस मौके पर डीईएसए विभाग के अतिरिक्त निदेशक जगबीर दलाल, डीआईओ विनोद सिंगला, एनआईसी विभाग के अधिकारी कमल त्यागी, पीओ आईसीडीएस गुरविंद्र कौर मल्ली, डीएसडब्ल्यू सुरजीत कौर, एनआईसी विभाग से सुभाष गुप्ता व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

आज समाज
अंबाला/चंडीगढ़, गुरुवार, 29 जनवरी 2015

स्क्रीन टच करते ही देखे जा सकेंगे 48 सालों के आंकड़े : डीस

■ डीसी ने किया देश के पहले एचआईएसएस सॉफ्टवेयर का उद्घाटन, सांख्यिकीय व एनआईसी विभाग के सांझे प्रयासों से तैयार किया नया सॉफ्टवेयर, 48 वॉल्यूम के 50 हजार पन्नों को क्लिक करते ही देखा जा सकेगा स्क्रीन पर

आज समाज नेटवर्क

कुरुक्षेत्र। डीसी सीजी रजिनिकांतन ने कहा कि हरियाणा प्रदेश के आर्थिक, जनसंख्या, हर जिले के करीब 61 विभागों और प्रदेश के सरकारी महकमों के अधिकारियों के पिछले 48 सालों के तमाम आंकड़े अब मात्र स्क्रीन को टच करते ही देखना संभव है। इसके लिए देश के पहले हरियाणा इंटिग्रेटेड सिस्टम आफ स्टेटिस्टक (एचआईएसएस) साफ्टवेयर को सांख्यिकीय विभाग कार्यालय परिसर में स्थापित कर दिया गया है। लोगों को अब सांख्यिकीय विभाग के कार्यालय में आकर किताबों के पन्नों को पलटने की जरुरत नहीं होगी। इस साफ्टवेयर का लाभ तमाम विभागीय अधिकारियों के साथ शोधकर्ताओं को भी मिलेगा।

साफ्टवेयर का टच स्क्रीन पर शुभारंभ करते डीसी सीजी रजिनिकांतन।

वह लघु सचिवालय में सांख्यिकीय विभाग के परिसर में एचआईएसएस साफ्टवेयर का उद्घाटन करने के उपरांत अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सांख्यिकीय विभाग और एनआईसी विभागों के अधिकारियों को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि हरियाणा प्रदेश में कुरुक्षेत्र जिला ही ऐसा जिला है, जहां इस साफ्टवेयर को लांच किया गया है। इस साफ्टवेयर के जरिए अब आंकड़ों को सहजता से देखा जा सकेगा। पुस्तकों के पन्नों को पलटे बिना ही आंकड़ों को सहजता से स्क्रीन पर देखकर अपने मोबाइल या ईमेल पर भी भेजा जा सकेगा। इस साफ्टवेयर से किसी भी विभाग के आंकड़ों के साथ-साथ ग्राफिक्स को भी देखा जा सकता है। सांख्यिकीय विभाग के आंकड़ों का अत्याधिक महत्व है। इन आंकड़ों के आधार पर विधानसभा और कोई भी विभाग भविष्य की आर्थिक नीतियों का निर्धारण करता है। जब ये तमाम आंकड़े सरल तरीके से उपलब्ध होंगे तो नीतियों को निर्धारित करने में भी सहायता मिलेगी।

1966 से 2013 तक के आंकड़े की मिलेगी जानकारी : बिश्नोई

विभाग के डीईएसए के निदेशक आरके बिश्नोई ने कहा कि किसी व्यक्ति को अब किताबों के पन्ने पलटने की जरुरत नहीं होगी। महज स्क्रीन पर उंगली का इशारा करते ही 1966 से लेकर वित्त वर्ष 2013 के तमाम आंकड़े सामने होंगे। जिला सांख्यिकीय अधिकारी ल अरोड़ा ने बताया कि उपायुक्त सीजी रजिनिकांतन के दिशा-निर्देश हरियाणा इंटिग्रेटेड सिस्टम आफ स्टेटिस्टक्स (एचआईएसएस) अतीत के आंकड़े भविष्य की नींव नये साफ्टवेयर का इजाद किया उन्होंने माना कि देश का यह पहला ऐसा साफ्टवेयर है, जिसके मा सांख्यिकीय विभाग कार्यालय के बाहर स्थापित की जाने वाली टच मशीन से 1966 से लेकर 2013 तक के आंकड़ों को देखा जा स एनआईसी विभाग के अधिकारी विनोद सिंगला के अथक प्रयासों से इस साफ्टवेयर को तैयार किया गया है। लगातार तीन माह की मेह करने के बाद इस साफ्टवेयर के डाटा को तैयार किया गया है।